भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 363 का उत्तर

आंध्र प्रदेश में रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों की स्थिति

***363. श्री जी. लक्ष्मीनारायण:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अनंतपुर सहित आंध्र प्रदेश के प्रत्येक जिले में रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) स्वीकृत चिकित्सा कर्मचारियों की संख्या और वर्तमान रिक्त पदों का कार्य भूमिका-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों की रोगियों के उपचार की क्षमता का ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष कितने रोगियों का उपचार किया गया है;

(घ) अस्पतालों में आईसीयू, अपघात देखभाल और रोग निदान सुविधाओं जैसी विशेष चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता का ब्यौरा क्या है;

(ङ) आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की उपलब्धता सहित अस्पतालों की अवसंरचना की स्थिति क्या है;

(च) क्या अनंतपुर सहित आंध्र प्रदेश में कोई रेलवे अस्पताल आयुष्मान भारत-पीएम-जेएवाई के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) विगत पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों के लिए बजट आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ज) क्या सरकार की विशेषकर अनंतपुर सहित आंध्र प्रदेश में रेलवे स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं को उन्नत करने की योजना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 26.03.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 363 के भाग (क) से (ज) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ज) रेलवे के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा उनके पात्र आश्रितों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए, चिकित्सालयों/स्वास्थ्य इकाइयों जैसी रेलवे चिकित्सा सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा प्रदान की जाती है जहाँ ओपीडी आधारित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता वाले रोगियों को उप-मंडल, मंडल और क्षेत्रीय रेलवे चिकित्सालयों में भेजा जाता है। ऐसे मामलों जहाँ इन-हाउस उपचार उपलब्ध नहीं है या रोगी की चिकित्सा स्थिति ऐसी है जिसके लिए उच्च स्तर की देखभाल चाहिए, उन्हें इष्टतम नैदानिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सरकारी चिकित्सालयों और पैनलबद्ध निजी चिकित्सालयों में रेफर किया जाता है।

वर्तमान में, भारतीय रेल में 586 स्वास्थ्य इकाइयाँ और 128 रेलवे चिकित्सालय मौजूद हैं। आंध्र प्रदेश में, 6 रेलवे चिकित्सालय और 33 स्वास्थ्य इकाइयाँ हैं, जिनमें गुंतकल में एक मंडल रेलवे चिकित्सालय और अनंतपुर जिले के गूटी में एक स्वास्थ्य इकाई शामिल है।

रेलवे लाभार्थियों के अलावा, आम जनता भी शहर की सीजीएचएस दरों पर रेलवे चिकित्सालयों में उपचार करा सकती है। इसके अलावा, आम जनता में से पात्र लाभार्थी आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पैनलबद्ध रेलवे चिकित्सालयों में भी उपचार करा सकते हैं।

आंध्र प्रदेश में, मंडल रेलवे चिकित्सालय, गुंतकल और मंडल रेलवे चिकित्सालय, विशाखपट्टणम को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पैनलबद्ध किया गया है।

आंध्र प्रदेश में स्थित रेलवे चिकित्सालयों और स्वास्थ्य इकाइयों में प्रतिवर्ष 10 लाख से अधिक रोगियों का उपचार किया जाता है।

रेलवे चिकित्सालयों में रेलवे लाभार्थियों को सम्पूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अपेक्षित अवसंरचना, अनिवार्य चिकित्सा उपकरण और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी उपलब्ध हैं। मंडल रेलवे चिकित्सालय विशाखपट्टणम, विजयवाड़ा और गुंतकल में सुसज्जित रोगी कक्षों, शल्य चिकित्सा कक्षों और नैदानिक सेवाओं के अतिरिक्त, गहन चिकित्सा इकाइयाँ और ट्रॉमा केयर सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखने के लिए, रेलवे में स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) शुरू की गई है।

रेलवे चिकित्सालयों/स्वास्थ्य इकाइयों का उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है जो लाभार्थियों की स्थानीय आवश्यकताओं और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे प्रौद्योगिकीय विकास के आधार पर विद्यमान अवसंरचना में लगातार सुधार लाने के उद्देश्य से की जाती है। हाल ही में, विशाखपट्टणम के मंडल चिकित्सालय में अवसंरचनात्मक उन्नयन में एक मॉड्यूलर शल्य चिकित्सा कक्ष, रसोई परिसर, रोगी केबिन और आइसोलेशन वार्ड शामिल हैं।

मंडल चिकित्सालय, गुंतकल में आईसीयू परिसर का विस्तार और 30 बिस्तरों वाले वातानुकूलित वार्ड का नवीकरण शुरू किया गया है। मंडल चिकित्सालय, गुंटूर में मॉड्यूलर शल्य चिकित्सा कक्ष और वातानुकूलित वार्ड के साथ एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण कार्य भी शुरू किया गया है।

आंध्र प्रदेश राज्य दक्षिण, दक्षिण मध्य, पूर्व तट और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, इन क्षेत्रीय रेलों में चिकित्सा सुविधाओं पर 4,531 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं।

भारतीय रेल के आकार, भौगोलिक वितरण और परिचालनिक महत्व को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा कर्मचारियों सहित पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। इन रिक्तियों को रेलवे द्वारा मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेजकर भरा जाता है।

कोविड-19 के कारण लागू प्रतिबंधों में ढील देने के बाद, दो बड़ी परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है, जिनमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	केन्द्र	दिवस	पालियां
एल2 - एल6	1.26 करोड़	211	726	68	133
एल1	1.1 करोड़	191	551	33	99

इन परीक्षाओं के आधार पर, रेलों में 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई है। वर्ष 2004-2005 से 2013-14 की तुलना में 2014-2015 से 2023-2024 के दौरान भारतीय रेल में की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-14	4.11 लाख
2014-2015 से 2023-2024	5.02 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 से समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए इस वर्ष वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरूआत करने से अभ्यर्थियों को निम्नानुसार लाभ होगा:

- **अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;**
- **प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;**
- **परीक्षाओं की निश्चितता;**
- **भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।**

तदनुसार, जनवरी से दिसम्बर 2024 के दौरान, 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं अधिसूचित की गई हैं। इनमें पराचिकित्सा कर्मचारियों की विभिन्न कोटियों के लिए अधिसूचित 1376 पद शामिल हैं।

*****